हम में से काफी लोगों में धन को लेकर बहुत सी भ्रान्तियाँ हैं जिस कारण से हम अनजाने में ही चेतन या अवचेतन मन से अपने जीवन की समृद्धि ऊर्जा में बाधा उत्पन्न कर देते हैं।
यह हमारे जीवन में समृद्धि के प्रवाह को रोक देगा

यह समृद्धि अभिकथन, समृद्धि के संबंधित रूकावट को दूर करता है और देने व बाँटने के अभ्यास को प्रेरित करता है जीवन में समृद्धि, संपत्ति, धन एवं वैभव को आमंत्रित करता है

अभिकथन पढ़ते समय आराम से सीधे खड़े रहें।
जिव्हा की नोक को तालु से लगाकर रखें।
(खेचरी मुद्रा)
अभिकथन में दर्शाए हुए चिन्ह को देखें और पढ़ें।

हाथ की स्थिति: अंगूठे और मध्यम उँगली के ऊपरी हिस्से को एक दुसरे से लगाकर रखें।
(धन प्राप्ति मुद्रा) और साथ साथ हल्के से १४ बार उठने-बैठने की क्रिया करें।

खेचरी मुद्रा

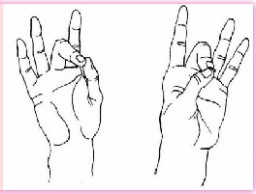

धन प्राप्ति मुद्रा

Copyright @ All rights reserved

समृद्धि अभिकथन

www.pranavioletheal ing.com

इनमें से किसी भी प्रति की प्रतिलिपि बनाना या मुद्रित करना अवैध है

Copyright @ All rights reserved

Hindi

धन शुभ है (२ बार)
धन बहुत-बहुत शुभ है (२ बार)
मुझे धन की आवश्यकता है
सबको को धन की आवश्यक्ता है
हर परिवार को धन की आवश्यकता है
हर देश को धन की आवश्यकता है
और पूरे संसार को धन की आवश्यकता है

धन तुम सब कुछ हो, धन तुम स्वास्थ्य हो,
धन तुम शिक्षा हो,
धन तुम प्रसन्नता हो,
धन तुम आनंद हो
धन तुम सभी के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हो

धन तुम मेरे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हो
देने से ही प्राप्ति होती है
जितना मैं देता हूँ,
उससे भी अधिक मुझे मिलता है
जितना अधिक मुझे मिलता है,
उतना ही अधिक मैं देता हूँ,
यह ईश्वर का नियम है

मैं धन देता हूँ, मुझे भरपूर धन मिलता है
मैं भोजन देता हूँ, मुझे भरपूर भोजन मिलता है
मैं प्रेम देता हूँ, मुझे भरपूर प्रेम मिलता है

Copyright @ All rights reserved

जो भी मुझे मिल रहा है, मैं उसे बाँट रहा हूँ
और दे रहा हूँ
ईश्वर मुझे उसी चीज़ का प्रतिफल
अधिकता में देंगे जो मैं
बाँट रहा हूँ और दे रहा हूँ,
यह ईश्वर का नियम है

धन, तुम नदी की तरह मेरी ओर प्रवाहित हो
धन, तुम मुझ पर बारिश की तरह बरसो
धन, तुम मुझ पर झरने की तरह झरो
मुझ पर धन की प्रचुरता का आशीर्वाद है

हे ईश्वर आप मुझे, मेरे परिवार को तथा
मेरी कंपनी को प्रचुर समृद्धि,
प्रचुर संपत्ति और धन का आशीर्वाद प्रदान करें
हे ईश्वर आप हर व्यक्ति को,
हर परिवार को, हर देश को प्रचुर ऊर्जा,
प्रचुर समृद्धि, प्रचुर संपत्ति और
धन के लिए आशीष दें

ईश्वर, सभी प्राणियों का जीवन आनंद, प्रसन्नता,
धन-दौलत और स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो
आपका आशीर्वाद सब पर बना रहे

ईश्वर आपका धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद

Copyright @ All rights reserved